ASTRO ARPITA NATH

वैवाहिक कष्ट, तलाक - केस स्टडी

Arpita Nath द्वारा · केस स्टडीज़ · 2026-09-18

वैदिक ज्योतिष में, वैवाहिक जीवन में गंभीर उथल-पुथल या अलगाव तब होता है जब कई प्रमुख कारक - 7वां भाव, 7वें भाव का स्वामी (सप्तमेश), बृहस्पति (महिलाओं के लिए पति का कारक), और शुक्र - पाप ग्रहों के प्रभाव या गंभीर कमजोरियों से अत्यधिक पीड़ित होते हैं।

1. इस महिला की कुंडली में प्रमुख ग्रह स्थितियां

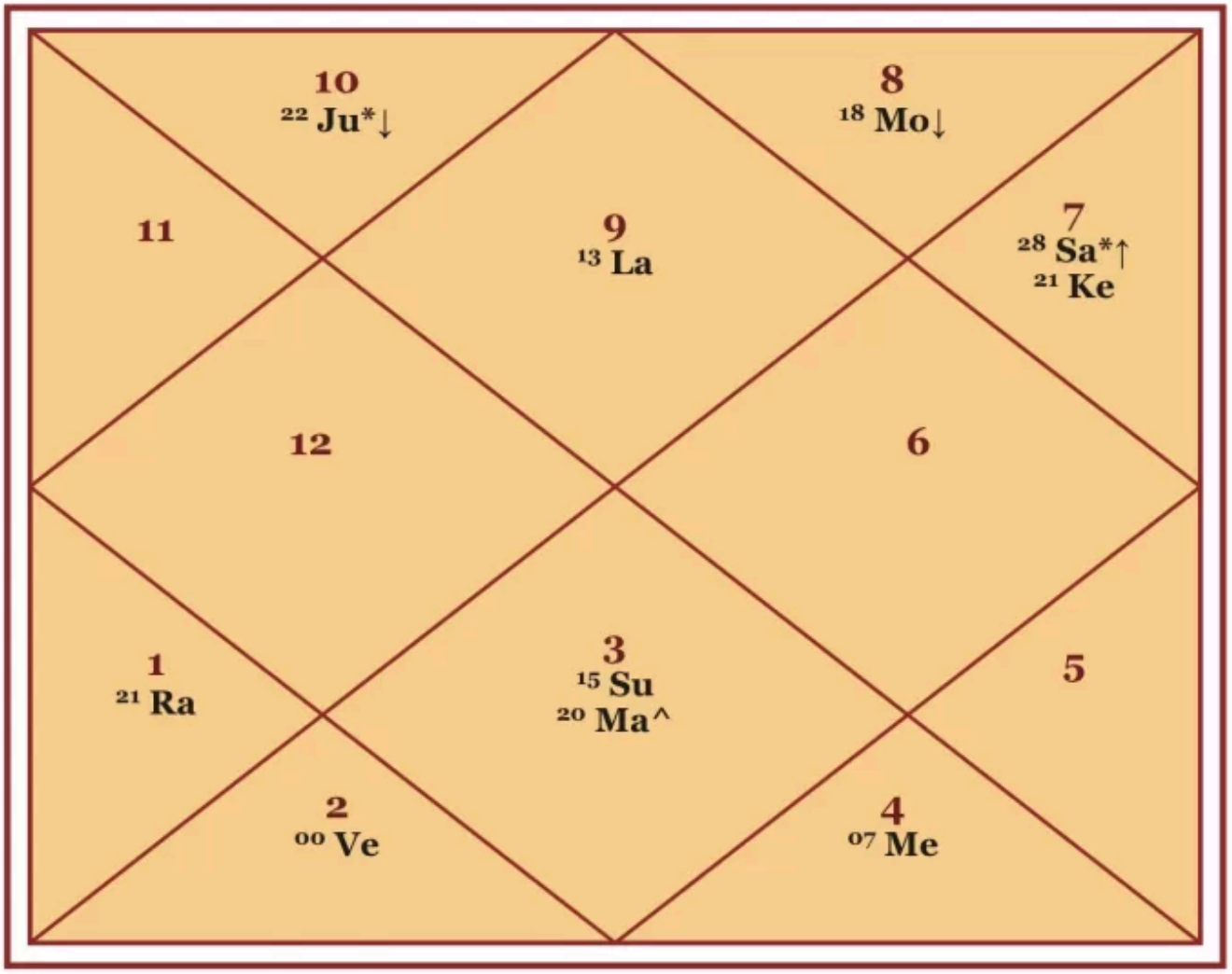

• **लग्न (Ascendant):** धनु (राशि 9)।

• **सप्तम भाव (विवाह और जीवनसाथी):** मिथुन (राशि 3) जिसमें सूर्य (Su) और मंगल (Ma) स्थित हैं।

• **सप्तमेश:** बुध (Me), जो अष्टम भाव (कर्क) में स्थित है।

• **पति का कारक / लग्नेश और चतुर्थेश:** नीच का बृहस्पति (Ju↓)* मकर राशि (द्वितीय भाव) में।

• **मन का कारक / चंद्रमा:** नीच का चंद्रमा (Mo↓) वृश्चिक राशि (द्वादश भाव) में।

• **केतु और शनि की युति:** उच्च का शनि (Sa↑) + केतु (Ke)* एकादश भाव (तुला) में।

• **राहु**: मेष राशि (पंचम भाव) में स्थित।

• **शुक्र**: वृषभ राशि (षष्ठ भाव) में 00° पर स्थित।

2. यह कुंडली असफल या कठिन विवाह का संकेत क्यों देती है

7वें भाव में अग्नि तत्व के ग्रह (सूर्य + मंगल की युति)

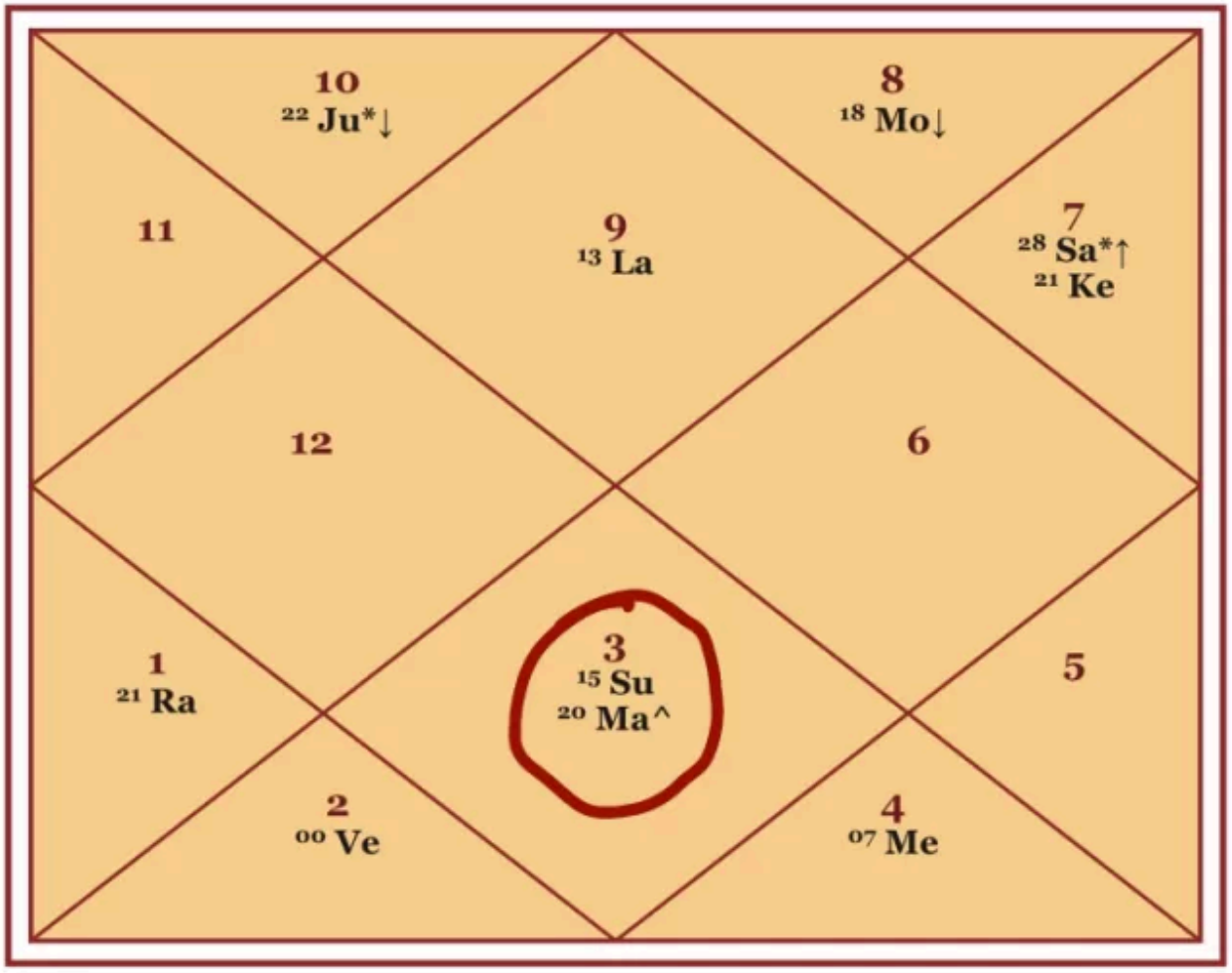

साझेदारी के 7वें भाव में दो आक्रामक पापी ग्रह स्थित हैं: सूर्य और मंगल।

• **अहंकार का टकराव और स्वभाव:** मंगल आक्रामकता, वाद-विवाद और उतावलापन लाता है, जबकि सूर्य अत्यधिक अहंकार और अधिकार की भावना जोड़ता है। विवाह के भाव में एक साथ होने पर, वे तीव्र शक्ति संघर्ष और समझौते में असमर्थता पैदा करते हैं।

• **कुज दोष / मांगलिक प्रभाव:** 7वें भाव में मंगल वैवाहिक सामंजस्य और शारीरिक अनुकूलता में सीधा तनाव उत्पन्न करता है।

***7वें भाव का स्वामी (सप्तमेश) हानि और विच्छेद के 8वें भाव में स्थित**

विवाह का स्वामी ग्रह, बुध, 8वें भाव (कर्क राशि) में स्थित है।

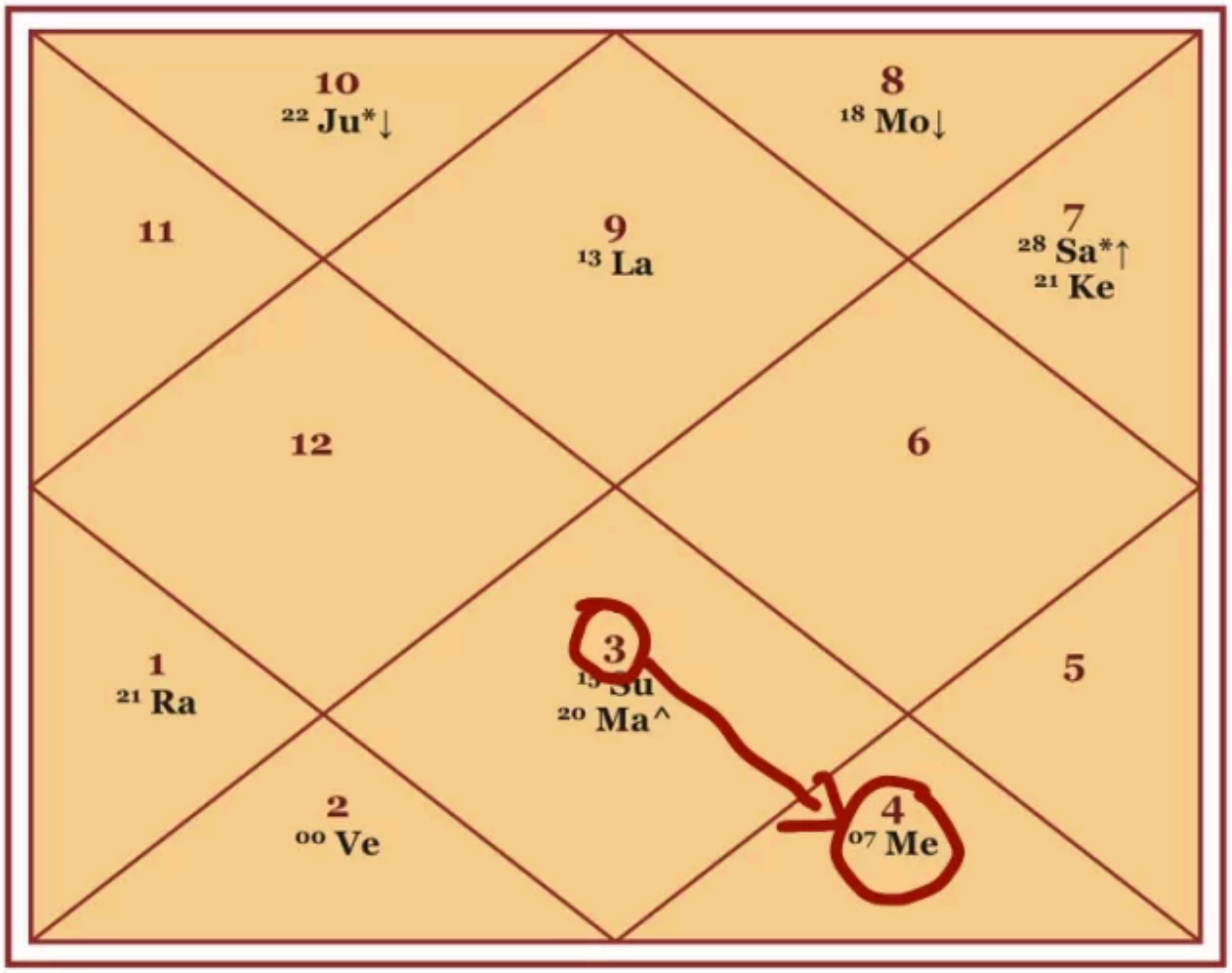

• 8वां भाव बाधाओं, छुपी हुई समस्याओं, अचानक होने वाले तलाक और संबंधों के टूटने का प्रतिनिधित्व करता है।

• सप्तमेश का 8वें भाव में होना शारीरिक या कानूनी अलगाव, भावनात्मक दूरी या वैवाहिक जीवन में अचानक होने वाली उथल-पुथल का प्रबल संकेत देता है।

***पति का नीच कारक ग्रह (पति कारक)**

स्त्री कुंडली के लिए, बृहस्पति (गुरु) पति का प्रतिनिधित्व करता है।

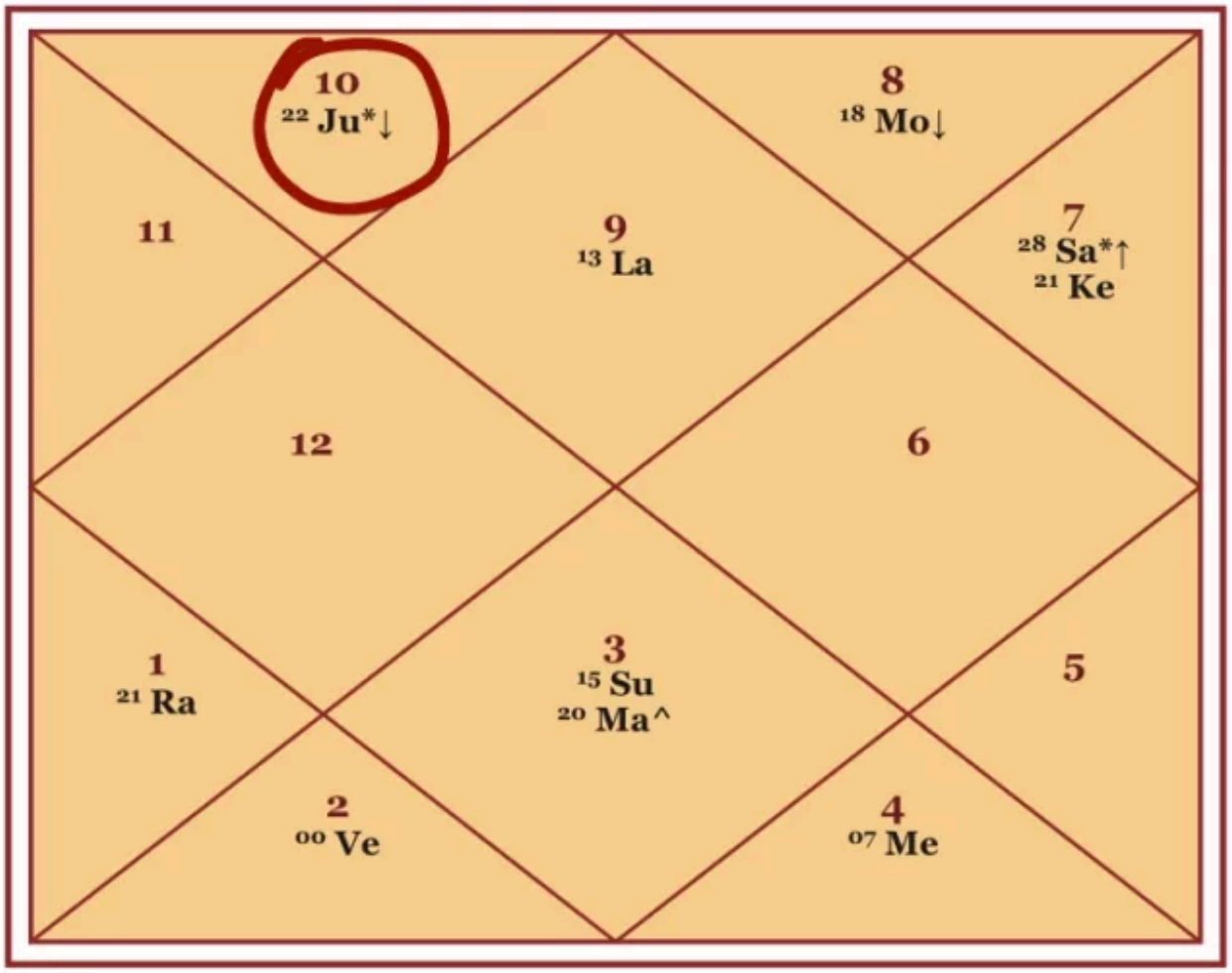

• मकर राशि (राशि 10) में बृहस्पति नीच का है। एक कमजोर, नीच का गुरु जीवनसाथी से सहयोग, संतुष्टि या नैतिक स्थिरता की कमी, या ऐसे साथी को चुनने को दर्शाता है जो जिम्मेदारियों से संघर्ष करता हो।

• इसके अतिरिक्त, लग्नेश (स्वयं) होने के नाते, बृहस्पति का नीच होना जातक की विवाह को निभाने या संभालने की क्षमता को कम करता है।

3. पति श्राप की अवधारणा (पति से जुड़ा कार्मिक दोष)

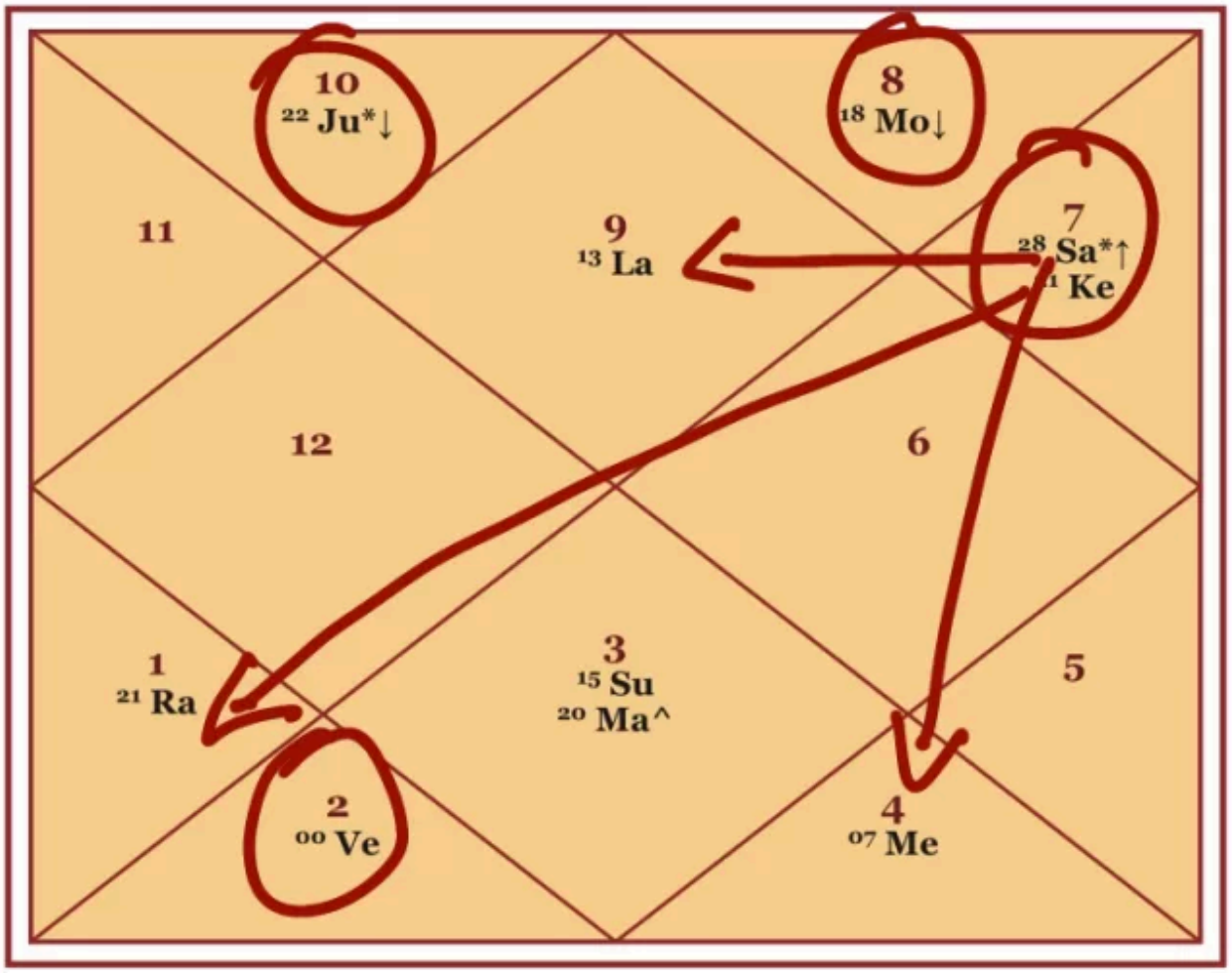

ज्योतिषीय ग्रंथों में, पति श्राप (पति/जीवनसाथी से जुड़ा श्राप या कार्मिक ऋण) तब बनता है जब पति के कारक ग्रह, 7वें भाव और 7वें भाव के स्वामी पर राहु, केतु, शनि या मंगल जैसे पापी ग्रहों का एक साथ दुष्प्रभाव हो, और साथ ही वे अत्यधिक नीच स्थिति में हों।

इस कुंडली में, कई कारक इस भारी कार्मिक प्रभाव का निर्माण करते हैं:

• **पति कारक का नीच होना:** बृहस्पति (पति कारक) परिवार/कुल के दूसरे भाव में नीच का है, जो पारिवारिक जीवन में कार्मिक बाधाओं को दर्शाता है।

• **पीड़ित चंद्रमा (मन और भावनात्मक स्वास्थ्य):** चंद्रमा 12वें भाव (हानि, अलगाव और शय्या सुख के भाव) में नीच राशि में स्थित है। यह रिश्तों से जुड़े गहरे भावनात्मक आघात, छिपे हुए दुख और मानसिक संताप को इंगित करता है।

• **छठे भाव में शुक्र (विवाद का भाव):** प्रेम और सामंजस्य का सामान्य कारक ग्रह शुक्र, मुकदमेबाजी, ऋण और संघर्ष के छठे भाव में अत्यंत कमजोर प्रारंभिक डिग्री (00°) पर स्थित है। यह भावनात्मक संतुष्टि के बजाय सीधे तौर पर कानूनी विवादों या तलाक की ओर संकेत करता है।

• **केतु के साथ उच्च का शनि:** शनि (जो पहले भाव, 5वें भाव और 8वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है) केतु के साथ मिलकर वैराग्य, अलगाव और प्रेम संबंधों से अनिवार्य कार्मिक अलगाव की प्रबल भावना पैदा करता है।

4. तलाक / कानूनी अलगाव के ज्योतिषीय संकेत

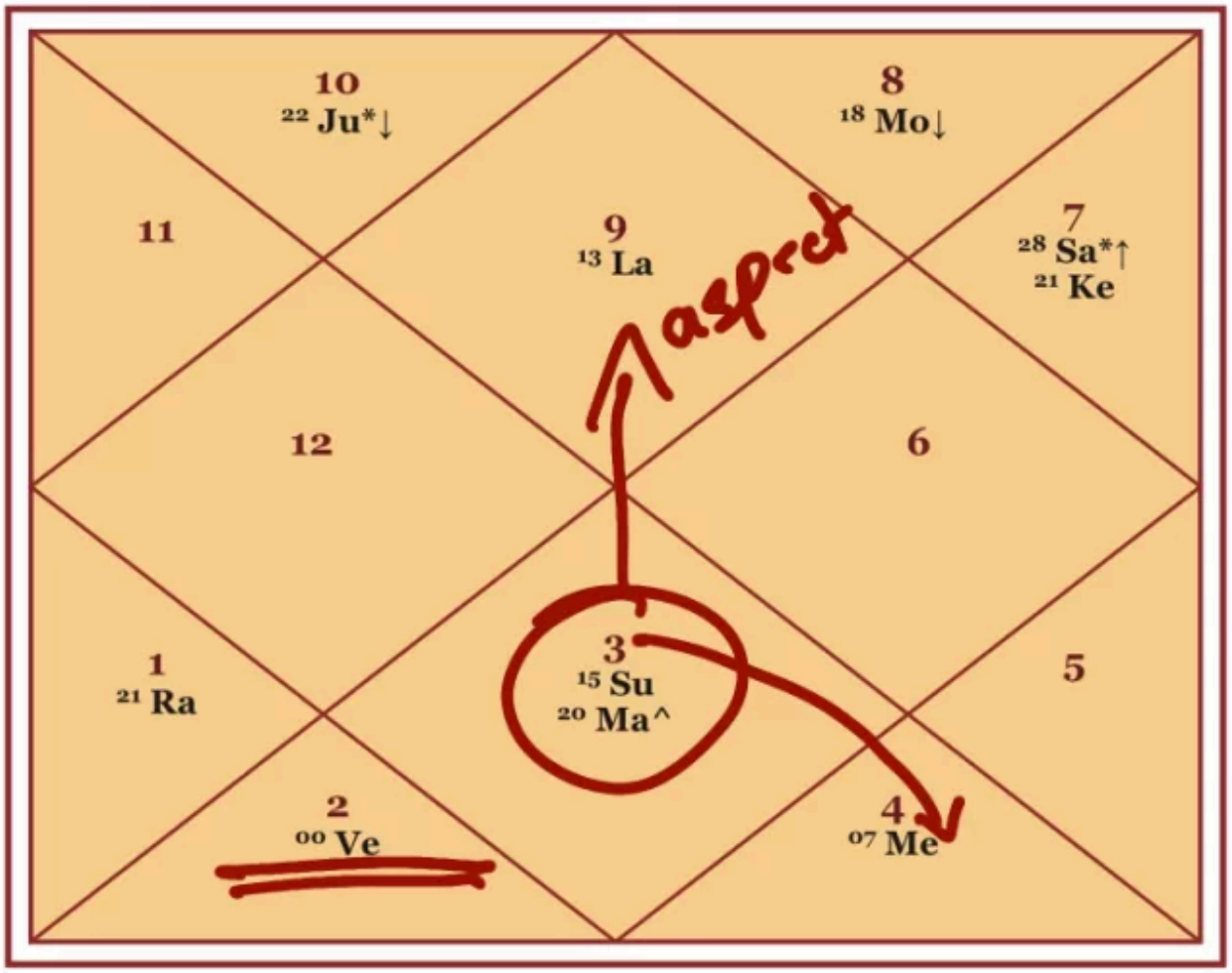

1. 7वें भाव का स्वामी (सप्तमेश) 8वें भाव में: यह वैवाहिक संबंध टूटने या रिश्ते के अचानक कानूनी अंत का सीधा संकेत है।

2. 6ठे भाव में शुक्र: छठा भाव अदालतों, विवादों और तलाक की कानूनी कार्यवाही का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ स्थित शुक्र प्रेम और रोमांस को कानूनी या आपसी विवादों में बदल देता है।

3. प्रथम भाव के सामने पापी ग्रह: सातवें भाव में स्थित सूर्य और मंगल प्रथम भाव (लग्न) पर सीधी दृष्टि डालते हैं, जिससे वैवाहिक कलह सीधे तौर पर जातक की मानसिक शांति, स्वास्थ्य और आत्म-पहचान को प्रभावित करती है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/marital-afflictions-separation/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।